

ज्यूँ अव्य. (देश.) दे. ज्यों।

ज्यूरी स्त्री. (अं.) दे. जूरी।

ज्येष्ठ वि. (तत्.) 1. बड़ा, जेठ, जेठा 2. बूढ़ा, बड़ा उदा. ज्येष्ठ पुत्र, ज्येष्ठ भ्राता विलो. कनिष्ठ पुं. 1. जेठ का महीना 2. वह वर्ष जिसमें बृहस्पति का उदय ज्येष्ठा नक्षत्र में होता है।

ज्येष्ठता स्त्री. (तत्.) 1. श्रेष्ठता 2. ज्येष्ठ होने का भाव, बड़ाई।

ज्येष्ठांबु पुं. (तत्.) 1. माँड़ 2. चावल का धोवन।

ज्येष्ठांश पुं. (तत्.) 1. बड़े भाई का हिस्सा 2. पैतृक संपत्ति में बड़े भाई को मिलने वाला अधिक अंश।

ज्येष्ठा स्त्री. (तत्.) 1. एक नक्षत्र 2. वह स्त्री जो दूसरी औरतों (पत्नियों) की अपेक्षा पति को बहुत प्रिय हो 3. छिपकली 4. मध्यम उँगली 5. गंगा 6. लक्ष्मी।

ज्येष्ठाधिकार पुं. (तत्.) विरासत में बड़े बेटे का अधिकार।

ज्येष्ठाश्रम पुं. (तत्.) गृहस्थ आश्रम, उत्तमाश्रम, आश्रम व्यवस्था में दूसरा आश्रम जो अन्य आश्रमों का आधार है (गृहस्थाश्रम)।

ज्येष्ठाश्रयी पुं. (तत्.) गृही, गृहस्थ।

ज्यों क्रि.वि. (तद्.) जैसे, जिस प्रकार, जिस ढंग से मुहा. ज्यों-त्यों- किसी न किसी प्रकार से, किसी ढंग से; ज्यों का त्यों- जैसे का तैसा, उसी तरह। प्रयो. ज्यों ही, जैसे ही।

ज्योतिःशास्त्र पुं. (तत्.) ज्योतिर्विद्या, ज्योतिष।

ज्योति स्त्री. (तत्.) 1. प्रकाश, रोशनी 2. दीपक की लौ 3. सूर्य 4. नक्षत्र 5. अग्नि 6. दृष्टि 7. आत्मा 8. ब्रह्म 9. विष्णु 10. आँखों की पुतली। मुहा. ज्योति जगाना, प्रकाश फैलाना 2. देवता के सामने दीप जलाया।

ज्योतिर वि. (तत्.) प्रकाशित, उद्भासित।

ज्योतिपुंज वि. (तत्.) 1. दिव्य प्रकाश वाला 2. विशिष्ट प्रभायुक्त।

ज्योतिमान वि. (तत्.) दे. ज्योतिष्मान।

ज्योतिर पुं. (तत्.) दे. ज्योति।

ज्योतिर्मय वि. (तत्.) 1. जगमगाता हुआ 2. प्रकाशित 3. ज्योति या प्रकाश से परिपूर्ण पुं. 1. ब्रह्म 2. भगवान, परमेश्वर, परमसत्ता।

ज्योतिर्लिंग पुं. (तत्.) महादेव, शिव, भारत में बारह स्थानों पर स्थापित शिवलिंगों में से प्रत्येक जैसे- सोमनाथ, महाकाल (उज्जैन), विश्वेश्वर (वाराणसी), मल्लिकार्जुन, उँकारेश्वर, केदारनाथ, भीमशंकर, त्र्यंबकेश्वर वैद्यनाथ, नागेश्वर, रामेश्वर, धृष्णेश्वर।

ज्योतिर्लोक पुं. (तत्.) 1. ध्रुवलोक 2. ध्रुवलोक के अधिपति 3. विष्णु, परमेश्वर।

ज्योतिर्विद्या स्त्री. (तत्.) ज्योतिषशास्त्र।

ज्योतिश्चक्र पुं. (तत्.) 1. नक्षत्र-मंडल 2. राशि-चक्र 3. आकाश-मंडल।

ज्योतिष पुं. (तत्.) वह विद्या जिसमें अंतरिक्ष में स्थित ग्रहों, नक्षत्रों की गति, स्थिति आदि पर विचार किया जाता है। (खगोल-विद्या)।

ज्योतिषिक पुं. (तत्.) ज्योतिषी, ज्योतिषशास्त्र का ज्ञाता, ज्योतिर्विद, ज्योतिषशास्त्र का अध्येता।

ज्योतिषिका स्त्री. (तत्.) मालकंगनी।

ज्योतिषी पुं. (तद्.) ज्योतिषशास्त्र का जानने वाला, ज्योतिर्विद, दैवज्ञ।

ज्योतिष्क पुं. (तत्.) ग्रह-तारा, नक्षत्र आदि का समूह।

ज्योतिष्टोम पुं. (तत्.) एक प्रकार का वैदिक यज्ञ जिसमें सोलह ऋत्विक् होते हैं।

ज्योतिष्पथ पुं. (तत्.) आकाश।

ज्योतिष्मती स्त्री. (तत्.) 1. सत्व गुण प्रधान मन की शांत अवस्था 2. रात्रि 3. एक प्रकार का वैदिक छंद 4. एक नदी का नाम।

ज्योतिष्मान पुं. (तत्.) ज्योतिर्मय, प्रकाशवान।

ज्योतिस् स्त्री. (तद्.) 1. ज्योति, प्रकाश 2. ब्रह्म ज्योति 3. बिजली, विद्युत 4. नक्षत्र 5. ज्योतिष 6. दिव्य जगत।

ज्योतिस्नात वि. (तत्.) प्रकाशपूर्ण, पूर्ण प्रकाशमान प्रयो. ज्योतिस्नात जीवन पथ।